भजन

तर्ज–जब से मिले नैना,तुमसे मिले नैना

मद भरे यह नैना,रंग रसीले नैना
दीवानी तेरी हुई जब से मिले नैना
1– रूह को पिया जो दिया है
अर्श का यह जाम है,खिलवत का वो जाम है
और कोई क्यूंकर ये पिये,आशिकों की ये ताम है
ला पिला दे ए साकी ला पिला दे
रूहें यहीं चाहें सदा जामे इश्क दे
2– तीर नजर से वो छोड़ा
घायल हमें भी कर दिया,घायल रूहों को किया
मीठा है दर्द माशूक तेरा लगता है प्यारा बड़ा
कह न सके रह न सके,क्या कहें खसम
तन की जानों मन की जानों,आप ओ खसम
3– थाम के सुराही इश्क की बैठे पिलाने पिया
फिर क्यूं न हम ये पियें डरना किसी से क्या
भर भर प्याले फिर पिया क्यूं न हम पियें
देने पे जब तुम आओ क्यूं न हम लें
देते ही रहना पिया आबे इश्क ये
मेहर करके पिया ने दिया क्यूं न हम पियें